www.aerb.gov.in

सत्यमेव जयते

परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद

Azadi Ka Amrit Mahotsav

ई-वृत्तपत्र

अक्टूबर-दिसंबर 2021 अंक 32 सं. 4

इस अंक में

	अध्यक्ष की कलम से	2
1.0	संरक्षा समीक्षा एवं नियमन	3
2.0	नियामक निरीक्षण एवं प्रवर्तन कार्रवाईयां	4
3.0	एनपीपी में ऑफ-साइट आपातकालीन अभ्यास (ओईई)	4
4.0	संरक्षा प्रचार गतिविधियाँ	5
5.0	मानव संसाधन विकास / पुनश्चर्या प्रशिक्षण	8
6.0	राजभाषा का कार्यान्वयन	8
7.0	महत्वपूर्ण आयोजनों के समारोह	9
8.0	'आजादी का अमृत महोत्सव'	11
9.0	नियुक्तियां / सेवानिवृत्तियां	12
10.0	एईआरबी ने अपने पूर्व अध्यक्ष को विदाई दी	13

"एईआरबी का मिशन यह सुनिश्चित करना है कि भारत में आयनकारी विकिरण और परमाणु ऊर्जा के उपयोग से लोगों और पर्यावरण के स्वास्थ्य के लिए अवांछित जोखिम न हो।"

अध्यक्ष की कलम से

"एईआरबी के स्थापना के सैंतीस वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नवंबर 26, 2021 को स्थापना दिवस मनाने के लिए अपने बोर्ड के साथी सदस्यों, सहयोगियों और उनके परिजनों के साथ शामिल होकर मुझे खुशी हुई। "

प्रिय पाठकगण,

कोविड-19 की दूसरी लहर समाप्ति के साथ 2021 की अंतिम तिमाही काफी घटनापूर्ण रही। परमाणु और विकिरण इकाईयों की लाइसेंसिंग की सुरक्षा समीक्षा एवं नियामक निरीक्षणें सहित एईआरबी अपने अधिकांश नियामक गतिविधियों को भौतिक अंत: क्रियाओं और वेब अधारित प्लेटफार्मों के न्यायसंगत मिश्रित के माध्यम से हाइब्रिड मॉडल में कार्य करना जारी रखा। इसके अलावा, विभिन्न जागरूकता एवं संरक्षा प्रचार गतिविधियों, हितधारकों के लिए संरक्षा संवर्धन की प्रासंगिक बैठकें एवं नियामक इंटरफेस को मजबूत करने के लिए अंतर-मंत्रालयी समन्वय जारी रखा गया।

नियामक ढांचे के एक भाग के रूप में, दो बहुत महत्वपूर्ण संरक्षा निर्देश, एक 'रेडियोधर्मी पदार्थ' को परिभाषित करने वाला और दूसरा 'विकिरण उत्पन्न करने वाले उपकरणों की छूट' पर जारी किए गए। ये निर्देश नियामक निरीक्षण के दायरे और क्षेत्र को तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगें। इसके अलावा, एईआरबी ने अपनी रेडियोलॉजिकल प्रभाव के मूल्यांकन पद्धति को सुव्यवस्थित किया है और एक सुरक्षा नियमावली जारी की है, जो आने वाले परमाणु रिएक्टरों के साइट मूल्यांकन के दौरान निकट भविष्य में काफी मददगार होगी।

ज्ञान प्रबंधन के भाग के रूप में, एईआरबी ने अतीत की महत्वपूर्ण घटनाओं पर प्रचालन अनुभव प्रतिक्रिया साझा करने के लिए वेबिनार की एक श्रृंखला की संकल्पना और आयोजन प्रारंभ किया है और इसे भविष्य की पीढ़ियों के लिए संग्रहीत किया जा रहा है। सभी सदस्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ एईआरबी की संरक्षा संस्कृति आकलन, अपनी तरह का पहला अभ्यास, अत्यधिक व्यावहारिक रहा और इसलिए नए विकसित संरक्षा प्रदर्शन संकेतकों का उपयोग करके परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के संचालन के सुरक्षा प्रदर्शन का तुलनात्मक अभ्यास किया गया था।

राज्य प्राधिकारियों की सक्रिय भागीदारी से बड़े पैमाने पर रेडियोधर्मी स्रोतों की सुरक्षा पर कानून प्रवर्तन प्राधिकारियों के लिए जागरूकता और प्रशिक्षण आयोजित किए जा रहे है। उदाहरण के लिए, 10 नवंबर, 2021 को आंध्र प्रदेश (एपी) पुलिस के समन्वय से "रेडियोधर्मी स्रोतों की सुरक्षा" विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया था।

एईआरबी ने विभिन्न विषयों पर विकिरण कामगारों/ पेशेवरों के लिए अपने यूट्यूब चैनल के माध्यम से सामयिक मुद्दों पर वेबिनारों का भी आयोजन किया। व्यापक पहुंच के लिए, अपनी तरह की पहली पहल के रूप में, यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्थानीय भाषाओं में वेबिनारों का आयोजन और इसका प्रसारण जैसे "औद्योगिक रेडियोग्राफी में सुरक्षित कार्य अभ्यास" पर हिंदी और अंग्रेजी में तथा "नैदानिक रेडियोलॉजी में विकिरण संरक्षण" विषय पर उड़िया, बंगाली, हिंदी, पंजाबी, मलयालम और अंग्रेजी में किया गया।

एक प्रमुख विशेषता जैसे तकनीकी ऑडिट इंजीनियर्स, गुणवत्ता आश्वासन विशेषज्ञ, रेडियोलॉजिकल संरक्षा अधिकारी, औद्योगिक और फायर संरक्षा प्रोफेशनल्स आदि की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से लाइसेंसधारियों का अपने आंतरिक संसाधनों के लिए "स्व-नियमन" की ओर उन्मुखीकरण, इस महामारी के दौरान निकलकर सामने आई है। इन स्व-नियामक अभ्यासों के माध्यम से प्राप्त अंतर्दृष्टि को समझने के लिए, एईआरबी ने हितधारकों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने और आगे की ओर भी अपने नियामक को विकसित करने के लिए नियामक इंटरफेस (एनसीआरआई) पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की। इसके अलावा, एईआरबी ने संयुक्त रूप से 08-09 अक्टूबर, 2021 को "सुरक्षा के लिए स्व-नियमन" और "कोविड-19 महामारी के दौरान व्यावसायिक स्वास्थ्य में चुनौतियाँ और अवसर" विषय पर आईआरईएल के साथ मिलकर डीएई संरक्षा और व्यावसायिक स्वास्थ्य पेशेवर बैठक की मेजबानी की।

एईआरबी के स्थापना के सैंतीस वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, 26 नवंबर, 2021 को बोर्ड के सभी सदस्यों, सहकर्मियों और उनके परिजनों के साथ मिलकर स्थापना दिवस मनाने में मुझे खुशी हुई। एईआरबी के पूरे परिवार के लिए यह अपनी गौरवपूर्ण यात्रा का जश्न मनाने के लिए खुशी का पल है। एईआरबी अपनी नियामक जिम्मेदारियों के क्षेत्र में उच्च स्तर की व्यावसायिकता, विश्वसनीयता, पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखते हुए, अत्याधुनिक वैज्ञानिक क्षमताओं के साथ उच्च अंतरराष्ट्रीय मानकों के ज्ञान-आधारित संगठन के रूप में उभरा है। यह हमारे पूर्ववर्तियों द्वारा किए गए प्रयासों और हमारी संपूर्ण एईआरबी परिवार के योगदान का फल है। मैं आपको यह भी आश्वस्त करना चाहता हूं कि अपने अधिकारियो की योग्यता बढ़ाने की दिशा में हमारा यह प्रयास निरंतर भविष्य में भी जारी रहेगा।

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि भारत की आजादी के 75 वें वर्ष के उपलक्ष्य में हमारा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। साल भर चलने वाले इस समारोह में एईआरबी भी शामिल हो गया है और इसके तहत विभिन्न जागरूकता और वैज्ञानिक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन लगातार किया जा रहा है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि गांव - अमरुत, गया, बिहार के एक सरकारी स्कूल, आरएम स्कूल और ओरिएंटल कॉलेज, इंफाल में जागरूकता कार्यक्रमों के साथ – साथ प्रतियोगिओं का भी आयोजन किया गया।

मैं अपने सभी सहयोगियों के साथ एईआरबी के पूर्व अध्यक्ष श्री एस.डी. सोमन, जिनका 7 नवंबर, 2021 को निधन हो गया, को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए शामिल होता हूं। एईआरबी के कामकाज को सुव्यवस्थित करने और इसे एक प्रभावी और कुशलत नियामक संगठन के रूप में स्थापित करने में उनके उल्लेखनीय योगदान को एईआरबी याद रखेगा।

एईआरबी देश में विकिरण संरक्षा के लिए राष्ट्रीय नियामक के रूप में है। यह समाज की भलाई के लिए परमाणु ऊर्जा और विकिरण अनुप्रयोगों के सुरक्षित उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए, हम सब कोरोना के खिलाफ अपने लाड़ाई में एक साथ मिलकर उन सिद्धांतों को अपनाकर खडे रहें, जो कि विकिरण की सुरक्षा से काफी मिलते-जुलते हैं।

"आयनित विकिरण का उपयोग सामाजिक लाभ के लिए सावधानी से नियंत्रित करना चाहिए, न कि डर के साथ"।

सुरक्षित रहें।

(जी. नागेश्वर राव)

1.0 संरक्षा समीक्षा और नियमन

मुम्बई में स्थित अपने मुख्यालय में एईआरबी ने कोविड-19 के उपयुक्त व्यवहार और निवारक उपायों का पालन करते हुए पूर्ण स्टाफ संख्या के साथ कार्य किया। एईआरबी संरक्षा समीक्षा और ऑनलाइन संरक्षा समीक्षा बैठकें आयोजित करने सहित अपनी अधिकांश नियामक गतिविधियों के लिए वेब अधारित प्लेटफार्म का उपयोग करना जारी रखा और 2021 की अंतिम तिमाही के दौरान परमाणु और विकिरण सुविधाओं पर नियामक निगरानी जारी रखने के लिए दूरस्थ नियामक निरीक्षण किया।

लगातार पांच वर्चुअल बैठकों के बाद, एईआरबी के बोर्ड ने 26 नवंबर, 2021 को महामारी की शुरुआत के बाद से अपनी पहली रूबरू बैठक आयोजित की। बोर्ड की बैठक संवैधानिक दिवस मनाते हुए प्रारंभ की गई। बोर्ड को पिछली तिमाही के दौरान एईआरबी द्वारा संचालित महत्वपूर्ण गतिविधियों और नियमित प्रतिष्ठानों की संरक्षा स्थिति के बारे में सूचित किया गया था। बोर्ड को रेडियोधर्मी पदार्थ पर जारी संरक्षा निर्देशों और विकिरण उत्पन्न करने वाले उपकरणों की छूट, एनपीसीआईएल के खिलाफ प्राप्त एक शिकायत और रेडियोलॉजिकल संरक्षा पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम और मूल्यांकन मानदंड में संशोधन के बारे में बताया गया।

एईआरबी परिषद की 135 वीं बैठक की एक झलक

1.1 परमाणु और विकिरण सुविधाओं की सहमति

संरक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि नियामक अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से समझें। यह लोगों और पर्यावरण की रक्षा के लिए इकाईयों में परमाणु, रेडियोलॉजिकल, अग्नि और औद्योगिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में शामिल अद्वितीय चुनौतियों का समाधान करने में मदद करता है। उपरोक्त को सुनिश्चित करते हुए, एईआरबी मान्य प्रावधानों के अनुसार विस्तृत संरक्षा समीक्षा एवं मूल्यांकन तथा इसके संतोषजनक परिणाम के बाद निम्नलिखित लाइसेंस/सहमति/अनुमति प्रदान की है :

i. विभिन्न सुरक्षा संबंधी संरचनाओं के निर्माण के लिए गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना (जीएचएवीपी-1 और 2) की मंजूरी और अन्य सुरक्षा संरचनाओं की गतिविधि के लिए उत्खनन मंजूरी की वैधता का विस्तार 31 मार्च, 2023 तक किया गया है।

ii. तारापुर परमाणु बिजलीघर (टीएपीएस) साइट पर ऑनसाइट आपातकालीन सहायता केंद्र (ओईएससी) के लिए निर्माण की मंजूरी।

iii. 31 मार्च, 2023 तक पलायकल, तूतीकोरिन में स्थित जिर्कोनियम कॉम्प्लेक्स (जेडसी) के मैग्नीशियम पुन:चक्रण प्रौद्योगिकी विकास और प्रदर्शन सुविधा (एमआरटीडीडीएफ) के लिए साइटिंग और निर्माण के लिए सहमति की वैधता का विस्तार किया गया है।

iv. भारी पानी बोर्ड (एचडब्ल्यूबी) द्वारा स्थापित मेसर्स राष्ट्रीय रसायन एवं उर्वरक लिमिटेड (आरसीएफ) चेंबूर, मुंबई में प्रौद्योगिकी प्रदर्शन संयंत्र (टीडीपी) के संचालन हेतु लाइसेंस की वैधता का 31 अक्टूबर, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

v. परमाणु औद्योगिक उपकरणों के निर्माण में लगे ईसीआईएल-तिरुपति के संचालन के लिए लाइसेंस की वैधता को 31 अक्टूबर, 2026 तक विस्तारित किया गया है।

vi. रेडियोलॉजिकल संरक्षा अधिकारियों (आरएसओ) के 1,284 अनुमोदन और औद्योगिक, चिकित्सा और अनुसंधान गतिविधियों से जुड़े विकिरण सुविधाओं के लिए 5,636 लाइसेंस जारी किया गया।

1.2 विकिरण सुविधाओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक-संरक्षा प्रदर्शन संकेतक (ईएसपीआई) का विकास

एईआरबी, उद्योग, स्वास्थ्य देखभाल, अनुसंधान आदि में प्रचलित विकिरण सामग्रीयों के विभिन्न स्तरों पर विविध कार्यों के लिए भिन्न भिन्न सहमति जारी करने हेतु एक ई-प्लेटफॉर्म (e-LORA) का उपयोग करता है। एईआरबी विकिरण इकाईयों के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक-संरक्षा प्रदर्शन संकेतक (eSPI) विकसित किया है। ईएसपीआई का महत्व संस्थान के विकिरण सुरक्षा पर एक प्रदर्शन सूचकांक के रूप में है। यह संस्थान द्वारा एक वर्ष से अधिक समय तक संरक्षा स्थिति रिपोर्ट (एसएसआर) प्रस्तुत न करने, संस्थान में अत्यधिक जोखिम की सूचना, लंबित गैर-अनुपालन और पिछले तीन वर्षों के दौरान संस्थान के खिलाफ प्रवर्तन शुरू करने जैसे मापदंडों के आधार पर किया जाता है।

2.0 नियामक निरीक्षण और प्रवर्तन कार्रवाई

एईआरबी परमाणु एवं विकिरण इकाइयों के नियामक निरीक्षण में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए दूरस्थ नियामक निरीक्षण (आरआई) हेतु वर्चुअल प्लेटफॉर्म का व्यापक रूप से उपयोग करना जारी रखा है। वर्चुअल नियामक निरीक्षण को स्व-मूल्यांकन जांचबिंदु का उपयोग करके हुए संचालित किया गया। एईआरबी में निरीक्षकों की एक दल द्वारा मूल्यांकन रिपोर्ट की समीक्षा की जाती है और आवश्यतानुसार कुछ अनुपालनों को सत्यापित करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठकें आयोजित की जाती है।

2.1 परमाणु और औद्योगिक इकाईयों के नियामक निरीक्षण (एनआईएफ)

तिमाही के दौरान, 15 परमाणु इकाईयों (परमाणु, रेडियोलॉजिकल और औद्योगिक) के लिए नियमित दूरस्थ नियामक निरीक्षण (आरआई) प्रारंभ किए गए थे। 'मध्यम' या 'उच्च' संरक्षा महत्व का कोई विचलन नहीं था। केएपीएस-4 में किए जा रहे सीमित संशोधन कार्य को देखने के लिए अवधि के दौरान काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र (केएपीएस)-3 और 4 का एक विशेष नियामक निरीक्षण किया गया जिसमें केएपीएस-3 के लिए एक मॉक-अप गतिविधि भी शामिल है।

2.2 विकिरण इकाईयों (आरएफ) के नियामक निरीक्षण

विकिरण इकाईयों की 164 नियमित और 10 विशेष दूरस्थ नियामक निरीक्षण किया गया। समीक्षा और सामंजस्य के बाद 156 इकाईयों की निरीक्षण रिपोर्ट जारी की गई। इन निरीक्षणों के दौरान, 'मध्यम' या 'उच्च' संरक्षा महत्व के किसी विचलन की सूचना नहीं मिली है।

3.0 एनपीपी में ऑफ-साइट आपातकालीन अभ्यास (ओईई)

परमाणु ऊर्जा संयंत्र (एनपीपी) स्थलों के आस पास के सार्वजनिक क्षेत्र में प्रतिक्रिया तंत्र की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक काल्पनिक आकस्मिक स्थिति के लिए ऑफ-साइट आपातकालीन अभ्यास (सार्वजनिक डोमेन में) आयोजित किए जाते हैं। एईआरबी और एनडीएमए के अधिकारियों ने क्रमशः 23 नवंबर और 14 दिसंबर, 2021 को कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थल और कलपक्कम स्थल पर आयोजित एकीकृत कमांड नियंत्रण और प्रतिक्रिया (आईसीसीआर) अभ्यास में "पर्यवेक्षक" के रूप में भाग लिया। एनपीपी में दुर्घटना की स्थिति में एनपीपी और जिला अधिकारियों द्वारा प्रतिक्रिया और निर्णय लेने की क्षमताओं का निरीक्षण करने के लिए इस तरह के अभ्यास आयोजित किए जाते हैं। संयंत्र स्थल के भीतर और जिला मुख्यालय में आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र सक्रिय कर दिए गए थे।

एईआरबी और एईआरबी का परमाणु और रेडियोलॉजिकल आपातकालीन निगरानी केंद्र (एनआरईएमसी), मुम्बई के माध्यम से भी अभ्यास की निगरानी की गई। एनआरईएमसी कामकाज के हिस्से के रूप में, स्रोत अवधि अनुमान, मौसम पूर्वानुमान और रेडियोलॉजिकल प्रभाव के आकलन के लिए आवश्यक वायुमंडलीय फैलाव के लिए समर्पित कंप्यूटर कोड का उपयोग किया गया था, जो एनपीपी में आपातकालीन स्थितियां उत्पन्न होने पर स्वतंत्र निगरानी और मूल्यांकन की क्षमता का प्रदर्शन करते हैं।

दृष्टिकोण

"एईआरबी का दृष्टिकोण अत्याधुनिक वैज्ञानिक क्षमताओं के साथ उच्च अंतरराष्ट्रीय मानकों का ज्ञान संगठन बनना है और अपनी नियामक जिम्मेदारियों के क्षेत्र में उच्च स्तर की व्यावसायिकता, विश्वसनीयता, पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखना है।"

4.0 संरक्षा प्रचार गतिविधियां

४.१ सम्मेलन / थीम मिटिंग / वेबिनार / जागरूकता कार्यक्रम

(i) डीएई संरक्षा और व्यावसायिक स्वास्थ्य पेशेवर बैठक, 2021

37वीं डीएई संरक्षा और वृत्तिक स्वास्थ्य पेशेवर बैठक, 2021 का आयोजन हाइब्रिड मोड में संयुक्त रूप से परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) और आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा 08-09 अक्टूबर, 2021 के दौरान किया गया था। इस बैठक का विषय औद्योगिक सुरक्षा पहलुओं से संबंधित "सुरक्षा के लिए स्व-विनियमन" था और व्यावसायिक स्वास्थ्य पहलुओं पर "कोविड-19 महामारी के दौरान व्यावसायिक स्वास्थ्य में चुनौतियाँ एवं अवसर" था। बैठक के उद्घाटन सत्र के दौरान पऊवि के विजेता इकाइयों को वर्ष 2019 और 2020 के लिए एईआरबी संरक्षा पुरस्कार भी प्रदान

पऊवि संरक्षा बैठक की झलक

किए गए। पऊवि के विभिन्न इकाइयों और इसके सहायता प्राप्त संस्थानों के लगभग 200 प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया। अध्यक्ष, एईआरबी ने सभा को संबोधित किया। बैठक के दौरान, प्रकाशनें जैसे बैठक के लिए मोनोग्राम, वर्ष 2020 के लिए डीएई इकाइयों की वृत्तिक क्षति सांख्यिकी और अग्नि सांख्यिकी पर एईआरबी बुकलेट और आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड की संग्रह जारी किए गए।

(ii) रेडियोधर्मी सामग्री की सुरक्षा विषय पर आंध्र प्रदेश पुलिस के लिए वेबिनार

एईआरबी ने दिनांक 10 नवंबर, 2021 को आंध्र प्रदेश (एपी) राज्य में विकिरण इकाईयों (कैटगरी-1 और 2 स्रोतों) के उपयोगकर्ताओं और पुलिस अधिकारियों के लिए 'रेडियोधर्मी स्रोतों की सुरक्षा' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का आयोजन महानिरीक्षक (सुरक्षा) कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) और डीजीपी, आंध्र प्रदेश (एपी) के सहयोग से किया गया था। वेबिनार में विभिन्न विकिरण सुविधाओं के लगभग 50 प्रतिनिधियों और आंध्र प्रदेश के 100 पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। वेबिनार रेडियोधर्मी स्रोतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रसार आवश्यकताओं और कानून प्रवर्तन प्राधिकारियों की भूमिका से अवगत कराने के लिए सामान्य मंच प्रदान किया। श्री जी नागेश्वर

रेडियोसक्रिय पदार्थो की सुरक्षा पर वेबिनार

राव, अध्यक्ष एईआरबी, श्री डी गौतम सवांग, पुलिस महानिदेशक, आं.प्र. और श्री विनायक आप्टे, आईजी (सुरक्षा), डीएई ने वेबिनार प्रतिभागियों को संबोधित किया। श्री एन. संजय, निदेशक, आंध्र प्रदेश पुलिस अकादमी ने रेडियोधर्मी स्रोत की सुरक्षा पर प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। एईआरबी ने क्षेत्रीय भाषा (तेलुगु) में प्रतिभागियों को सामाजिक लाभ के लिए विकिरण के बुनियादी अनुप्रयोगों, विकिरण के लिए राष्ट्रीय नियामक ढांचे, रेडियोधर्मी स्रोतों की संरक्षा और सुरक्षा पहलुओं पर मार्गदर्शन/जागरूकता सामग्री भी प्रदान की।

(iii) नियामक इंटरफेस पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीआरआई)

एईआरबी ने नवंबर 11, 2021 को मुंबई में नियामक इंटरफेस (एनसीआरआई) पर 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन की हाइब्रिड मोड में मेजबानी की। सम्मेलन का विषय "सुरक्षा के लिए स्व-नियमन" था। महामारी की अवधि के दौरान जो एक प्रमुख विशेषता उभरी है, वह है अपने आंतरिक संसाधनों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से लाइसेंसधारियों का "स्व-नियमन" की ओर उन्मुखीकरण। सम्मेलन

एईआरबी एनसीआरआई-2021 को संबोधित करते हुए
श्री सी.एस. वर्गिस, कार्यकारी निदेशक

का उद्देश्य लाइसेंसधारियों को संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्व-नियामक अभ्यासों पर विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान करना था। दो प्रमुख लाइसेंसधारी संगठन अर्थात न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) और भारी पानी बोर्ड (एचडब्ल्यूबी) को एनसीआरआई-2021 के दौरान अपने अनुभव प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था।

(iv) कंप्यूटर कोड पर थीम मीटिंग

एईआरबी ने अपने और पऊवि इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ दिसंबर 21, 2021 को "कंप्यूटर कोड: स्वदेशी विकास की स्थिति" पर एक थीम बैठक का आयोजन किया। थीम बैठक का उद्देश्य परमाणु सुरक्षा विश्लेषण हेतु एईआरबी और पऊवि की विभिन्न इकाइयों में उपयोग किए जा रहे उपलब्ध कम्प्यूटेशनल उपकरणों का जायजा लेना था। थीम बैठक में स्वदेशी विकास की स्थिति, उनकी वैधीकरण मैट्रिक्स, गुणवत्ता आश्वासन, डाटा संरक्षण और भविष्य की योजनाओं जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

थीम बैठक में व्याख्यान देते हुए
श्री अविनाश जे. गायकवाड़, प्रमुख, ईआरएसडी

(v) जागरूकता

उपयोगकर्ता को टीएलडी को ठीक से संचालित करने और विकिरण खतरा से बचने के लिए अन्य संरक्षा उपायों पर जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से, "यू ट्युब" प्लेटफार्म के माध्यम से विभिन्न राज्यों के लिए उनके क्षेत्रिय भाषाओं में , "नैदानिक रेडियोलॉजी में विकिरण संरक्षण (डीआर)" और "औद्योगिक रेडियोग्राफी (आईआर) में सुरक्षित कार्य अभ्यास" विषय पर वेबिनार आयोजित करने का निर्णय लिया गया था। प्रयोजित दर्शकों को प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी संबंधित भाषा में अग्रिम रूप से दी गई थी। विकिरण कामगारों/ पेशेवरों के लिए विषयों जैसे (i) औद्योगिक रेडियोग्राफी एक्स-रे उपकरण के लिए अनुमोदन आवश्यकताएँ और प्रक्रियाएँ, (ii) आयनकारी विकिरण से सुरक्षा के लिए गर्भवती महिला और स्तनपान कराने वाली माँ का प्रबंधन, (iii) एनजी संस्थानों के लिए अप्रयुक्त स्रोतों का प्रबंधन, (iv) नैदानिक रेडियोलॉजी से गैर-वास्तविक विकिरण एक्सपोजर के विश्लेषण के आधार पर विकिरण श्रमिकों / पेशेवरों के लिए टीएलडी बैज का उचित उपयोग, (v) हिंदी और अंग्रेजी में औद्योगिक रेडियोग्राफी में सुरक्षित कार्य अभ्यास, और उड़िया, बंगाली, हिंदी, पंजाबी, मलयालम और अंग्रेजी में नैदानिक रेडियोलॉजी में विकिरण संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम (वेबिनार) का आयोजन किया गया था।

जागरूकता कार्यक्रम की झलक

जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान आईआर हिंदी और डीआर हिंदी मलयालम और उड़िया की झलक

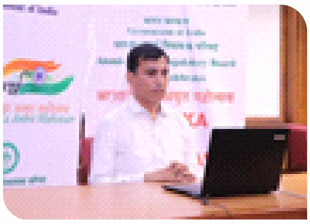
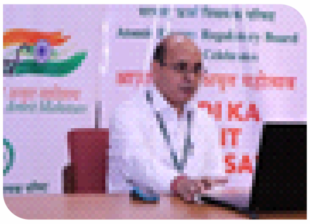

जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान लाइव-स्ट्रीमिंग फ़ीड बैक/लाइव चैट की झलक

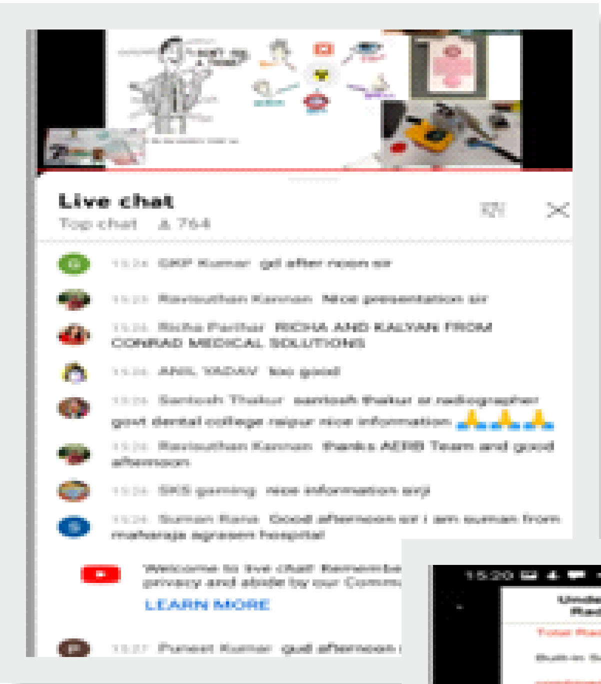

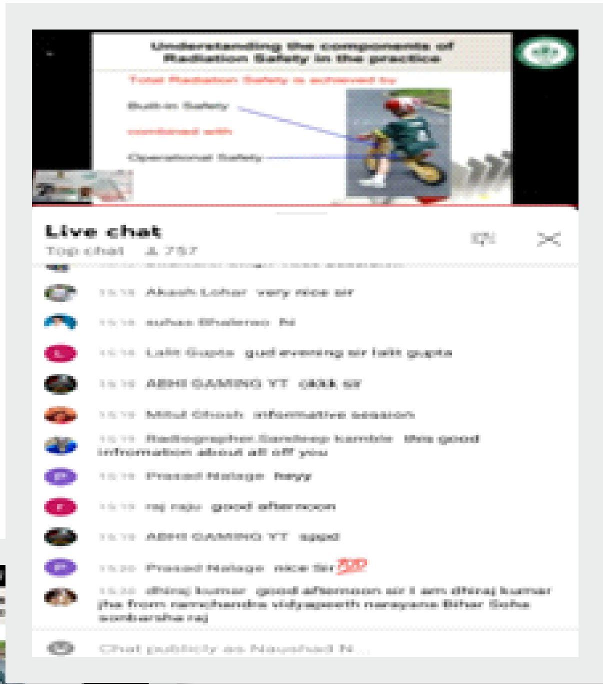

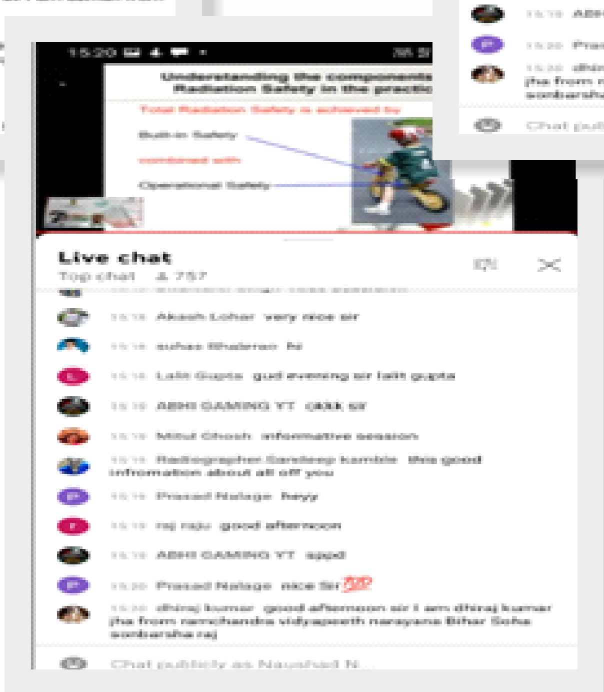

5.0 मानव संसाधन विकास/पुनश्चर्या प्रशिक्षण

५.१ 'संरोधन संरक्षा' विषय पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण

एईआरबी ने एनपीसीआईएल और एईआरबी के अधिकारियों के लिए 'रोकथाम सुरक्षा' पर 28 व्याख्यान श्रृंखलाएं शामिल करते हुए दो पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। 'रोकथाम सुरक्षा' विषय पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की व्याख्यान सामग्री एईआरबी के ज्ञान प्रबंधन पोर्टल पर अपलोड की गई है।

5.2 'त्वरक और उनकी संरक्षा' पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण

एईआरबी के 29 प्रतिभागियों के लिए 'त्वरक और उनकी संरक्षा' पर 10 व्याख्यान श्रृंखला को शामिल करते हुए पुनश्चर्या प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की व्याख्यान सामग्री एईआरबी के ज्ञान प्रबंधन पोर्टल पर अपलोड की गई है।

6.0 राजभाषा कार्यान्वयन

01 तथा 02 दिसंबर, 2021 को नियामक भवन, एईआरबी में एक संयुक्त हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सहायक निदेशक (राजभाषा), एईआरबी द्वारा व्याख्यान दिया गया। सितंबर 2021 में एईआरबी में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता, काव्य पाठ, श्रुतलेखन, हिंदी टंकण और हिंदी स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।

02 दिसंबर 2021 को आयोजित हिंदी कार्यशाला के प्रतिभागी

7.0 महत्वपूर्ण आयोजनों के समारोह

एईआरबी ने दिनांक 26 नवंबर, 2021 को अपना 38वां स्थापना दिवस मनाया। यह कार्यक्रम हाइब्रिड मोड में आयोजित किया गया था। कोविड -19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए कार्यक्रम का आयोजन नियामक भवन के सभागार में सीमित दर्शकों के साथ किया गया था। सुरक्षा अनुसंधान संस्थान, कलपाक्कम, दक्षिणी क्षेत्रीय नियामक केंद्र, पूर्वी क्षेत्रीय नियामक केंद्र और उत्तरी क्षेत्रीय नियामक केंद्र ने वर्चुअली मोड से कार्यक्रम में भाग लिया। समारोह के मुख्य अतिथि एईआरबी बोर्ड के सदस्य थे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, एईआरबी के स्वागत भाषण से हुई, इसके बाद सरस्वती वंदना और दीप प्रज्ज्वलन के साथ उद्घाटन हुआ। एईआरबी के कार्यकारी निदेशक द्वारा उद्घाटन भाषण के बाद मुख्य अतिथि और एईआरबी के अध्यक्ष ने भाषण दिया। बोर्ड के सदस्यों ने अपनी यात्रा और अपनी शोध गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए उनके द्वारा की गई कड़ी मेहनत पर प्रेरक वार्ता की। उनके व्याख्यान एईआरबी सचिवालय के युवा अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए काफी प्रभावशाली थे। एईआरबी ने सुरक्षा प्रोत्साहन और जन जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान हितधारकों और जनता के बीच वितरण के लिए "आजादी का अमृत महोत्सव" पर विशेष प्रतिक चिन्ह और संगठनात्मक विवरणिका जारी किए।

एईआरबी समूह उपलब्धि पुरस्कार-2019 प्राप्त करते टीम के सदस्य

श्रीमती के. उमा शर्मा

डॉ पंकज टंडन

श्री एस.सी. उत्कर्ष

श्रीमती दीप्तोज्योति भट्टाचार्या

श्री सीएस वर्गीस एईआरबी लीडरशिप अवार्ड - 2019 प्राप्त करते हुए

श्रीमती नीना जयशंकर, एईआरबी मेरिटोरियस सर्विस अवार्ड - 2019 प्राप्त करते हुए

युवा वैज्ञानिक / तकनीकी अधिकारी पुरस्कार

श्री सुब्रत पाठक
वैज्ञानिक अधिकारी/ई, आरएसडी

श्री सौम्यदीप डे
वैज्ञानिक अधिकारी/ई, ओपीएसडी

श्री कृष्णा रेड्डी
वैज्ञानिक अधिकारी/डी, डीआरपीएवंई

उत्कृष्ट प्रदर्शन / विशेष योगदान पुरस्कार

श्रीमती मंजू सैनी
वैज्ञानिक अधिकारी/एफ, आरएसडी

डॉ. आर. श्रीनिवास राव
वैज्ञानिक अधिकारी/जी, एनएसएडी

श्री विवेक पिपलानी
वैज्ञानिक अधिकारी/जी, ओपीएसडी

एईआरबी दिवस समारोह की झलकियां

एईआरबी दिवस समारोह पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की झलकियां

8.0 आजादी का अमृत महोत्सव

जैसा कि हम सभी जानते हैं कि भारत की आजादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में हमारा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। एईआरबी भी साल भर चलने वाले समारोह में शामिल हो गया है और विभिन्न जागरूकता और वैज्ञानिक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। अध्यक्ष, एईआरबी ने अपने संबोधन में इस बात पर बल दिया कि युवा पीढ़ी को देश के 75 वर्षों की उपलब्धियों, कार्यों, संकल्पों से अवगत कराना होगा ताकि उन्हें आगे बढ़ने और स्वतंत्र भारत के सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया जा सके। एईआरबी ने विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, स्कूलों और कॉलेजों में विकिरण संरक्षा, वाद-विवाद और भाषण प्रतियोगिता जैसे अनेक जन जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए।

आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान पोस्टर की एक झलक

9.0 नियुक्तियां / सेवानिवृत्तियाँ

परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के विस्तार और विकिरण सुविधाओं की बढ़ती संख्या के कारण विभिन्न स्तरों पर और विभिन्न चैनलों के माध्यम से एईआरबी कार्यबल को बढ़ाया जा रहा है। एईआरबी में कुल स्वीकृत संख्या 468 है। हालाँकि, दिनांक 31 दिसंबर, 2021 की स्थिति के अनुसार जनशक्ति 350 है जिसमें 304 वैज्ञानिक और तकनीकी और 46 प्रशासनिक / लेखा / सहायक कर्मचारी शामिल हैं। इस अवधि के दौरान, बीएआरसी और आईजीकार प्रशिक्षण केंद्रों से वैज्ञानिक अधिकारी (सी) ग्रेड में पांच वैज्ञानिक अधिकारियों को एईआरबी में नियुक्त किया गया है। एक तकनीकी अधिकारी को ग्रेड (ई) में सीधी भर्ती के माध्यम से नियुक्त किया गया है। अन्य कर्मचारी, तकनीकी के साथ-साथ प्रशासनिक भी निम्न सूची के अनुसार कार्यग्रहण किए हैं।

क्रमांक	नाम	पदनाम	दिनांक
1.	श्री ज्ञानशु विश्वकर्मा	वैज्ञानिक अधिकारी / सी	01-11-21
2.	श्री तुषार अशोक घोरड़कर	वैज्ञानिक अधिकारी / सी	01-11-21
3.	श्री दीपज्योति अचारजी	वैज्ञानिक अधिकारी / सी	01-11-21
4.	श्री दीपक भगोरे	वैज्ञानिक अधिकारी / सी	01-11-21
5.	श्री अमित प्रजापति	वैज्ञानिक अधिकारी / सी	01-11-21
6.	श्री आशय हरिदास तायडे	कार्यदक्ष / बी	26-11-21
7.	श्री आशुतोष कुमार दुबे	वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी	06-12-21
8.	कु. लिप्सारानी साहू	वैज्ञानिक सहायक / सी	10-12-21
9.	श्री विशाल बंसी शिंदे	वैज्ञानिक सहायक / सी	10-12-21
10.	श्री अमित रमेश चव्हाण	वैज्ञानिक सहायक / सी	10-12-21
11.	श्री लालम गोविंदा	वैज्ञानिक सहायक / सी	10-12-21
12.	श्री वर्षा बी पी	वैज्ञानिक सहायक / सी	10-12-21
13.	श्री हर्षल विलास बाविस्कर	वैज्ञानिक सहायक / सी	10-12-21
14.	कु. तान्या वर्मा	वैज्ञानिक सहायक / सी	10-12-21
15.	श्री भूपेंद्र सिंह	वैज्ञानिक सहायक / सी	10-12-21
16.	कु. अदिति आर. कुलकर्णी	वैज्ञानिक सहायक / सी	10-12-21
17.	श्री अक्षय माली	वैज्ञानिक सहायक / सी	10-12-21
18.	श्री कृष्णु दास	वैज्ञानिक सहायक / सी	10-12-21
19.	श्री जितेंद्र कुमार	वैज्ञानिक सहायक / सी	10-12-21
20.	श्री मुकुट कुमार	वैज्ञानिक सहायक / सी	10-12-21
21.	श्री अरविंद कुमार	वैज्ञानिक सहायक / सी	10-12-21
22.	श्री सुभाशीष सरदार	वैज्ञानिक सहायक / सी	10-12-21
23.	श्री नितेश कुमार	वैज्ञानिक सहायक / सी	10-12-21
24.	श्री पवन कुमार	वैज्ञानिक सहायक / सी	23-12-21
25.	डॉ. (श्रीमती) तृप्ति प्रसन्ना हिंगे	तकनीकी अधिकारी / ई	31-12-21

अक्टूबर-दिसंबर, 2021 के दौरान एईआरबी से सेवानिवृत्त/स्थानांतरित/इस्तीफा देने वाले कार्मिक :

क्रमांक	नाम	पदनाम	दिनांक	टिप्पणियों
1	श्री हार्दिक सेतिया	प्रवर श्रेणी लिपिक	23-12-2021	तकनीकी इस्तीफा

10.0 एईआरबी ने अपने पूर्व अध्यक्ष को विदाई दी

श्री एस डी सोमन के शोक संतप्त परिवार के लिए शोक संदेश

अत्यंत दु:ख के साथ हमें पता चला कि 7 नवंबर 2021 को परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्री एस.डी. सोमन का निधन हो गया। कार्यकाल (1990-1993) के दौरान एईआरबी के कामकाज को सुव्यवस्थित करने और इसे एक प्रभावी और कुशल नियामक संगठन के रूप में स्थापित करने में उनके योगदान के लिए एईआरबी हमेशा ऋणी रहेगा। एईआरबी ने श्री सोमन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। हम एईआरबी प्रबंधन और कर्मचारियों की ओर से शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं।

स्वर्गीय श्री एस.डी. सोमन

प्रतिपुष्टि

हम अपने पाठकों/ हितधारकों से मिलनेवाली प्रतिक्रियाओं का स्वागत करते हैं। यदि आपका कोई प्रश्न या टिप्पणी हो तो कृपया आप हमारे एईआरबी प्रतिपुष्टि (फीडबैक) पोर्टल पर भेजें।

एईआरबी वृत्तपत्र में प्रकाशित सामग्री को उचित अभिस्वीकृति सहित पुनर्मुद्रित या स्वतंत्र रूप से अनुवादित किया जा सकता है।

स्वीकृति

-: संकलनकर्ता :-

श्री मेघराज सिंह और श्री सत्यवान बंसल

-: संपादकीय समिति :-

श्री एच.के. कुलकर्णी, श्रीमती उमा सरमा, श्री वी.वी. राउत, डॉ. संतोष के. प्रधान, श्रीमती सोनल गांधी, श्री सौमेन सिन्हा, श्री परीक्षित बंसल, श्री राहुल पोरवाल, डॉ. एस.पी. लक्ष्मणन, श्रीमती एम.वी. इनामदार, श्री प्रदीप कुमार, श्री प्रवीण जे. पाटिल

-: प्रकाशितकर्ता :-

श्री अविनाश जे. गायकवाड़ - प्रमुख, आर.डी.डी. एईआरबी, मुंबई

परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद

नियामक भवन, अणुशक्तिनगर मुंबई - 400094, महाराष्ट्र